Exam. Code : 216303
Subject Code: 5422

M.A. Hindi 3rd Semester (Batch 2020-22)

SURDAS

Paper—XV Opt. (i)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

सूचना :— यह प्रश्न-पत्र **चार** सैक्शनों में विभाजित है। प्रत्येक सैक्शन में से विद्यार्थी को कम-से-कम **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है। **पाँचवा** प्रश्न विद्यार्थी किसी भी सैक्शन में से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न **16** अंकों का होगा।

सैक्शन—ए

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(i) सोभा सिंधु न अन्त रही री।
नंद भवन भरि पूरि उमँगि चलि, ब्रज की बीथिनि फिरिति वही री।
देखी जाइ आजु गोकुल मैं, घर-घर बेंचति फिरति दही री।
कहँ लगि कहौं बनाइ बहुत विधि, कहत न मुख सहसहुं निबही री।
जसुमति-उदर-अगाध-उदधि तैं उपजी ऐसी सबनि कही री।
सूरश्याम प्रभु इंद्र-नीलमनि, ब्रज-बनिता उरं लाइं गही री।

(ii) ऊधौ मन माने की बात।

दाख छहारा छाँड़ि अमृत-फल, बिषकीरा विप खात।

ज्यौं चकोर कौं देइ कपूर कोउ, तजि अगार अघात।

मधुप करत घर कोरि काठ मैं, बँधत कमल के पात।

ज्यौं पतंग हित जानि आपनी, दीपक सौं लपटात।

सूरदास जाकौ मन जासौं, साई ताहि सुहात।।

2. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(i) प्रभु हौं सब पतितनि कौ टीकौ।

और पतित सब दिवस चारि के, हौं तौ जनमत ही कौ।

बधिक अजामिल, गनिका, तारी और पूतना ही कौ।

मोहिं छांड़ि तुम और उधारे, मिटै सूल क्यौं जी कौ।

कोउ न समरथ अध करिबे कौं, खैंचि कहत हौं लीकौ।

मरियत लाज सूर पतितनि मैं, मौहूं तैं को नीको।।

(ii) मैया हौं न चरैहौं गाइ।

सिगरे ग्वाल घिरावत मोसौं, मेरे पाइ पिराइ।

जौ न पत्याहि पूछि बलदाउहिँ, अपनी सौंह दिवाइ।

यह सुनि माइ जसोदा ग्वालनि, गारी देति रिसाइ।

मैं पठवति अपने लरिका कौ, आवै मन बहराइ।

सूर स्याम मेरौ अति बालक, मारत ताहि रिगाइ।।

सैक्शन—बी

3. कृष्ण-भक्ति काव्य की विशेषताओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

4. सूरकाव्य में लोक संस्कृति का स्वरूप स्पष्ट करें।

सैक्शन—सी

5. सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति का वर्णन करें।

6. सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन को स्पष्ट करें।

सैक्शन—डी

7. सूर की काव्य भाषा पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

8. सूरकाव्य में लीला तत्व का वैशिष्ट्य स्पष्ट करें।